

रविवार 25 जनवरी, 2026

## विषय — सत्य

स्वर्ण पाठः भजन संहिता 25: 4, 5

"हे यहोवा अपने मार्ग मुझ को दिखला; अपना पथ मुझे बता दे। मुझे अपने सत्य पर चला और शिक्षा दे, क्योंकि तू मेरा उद्धार करने वाला परमेश्वर है; मैं दिन भर तेरी ही बाट जोहता रहता हूँ।"

उत्तरदायी अध्ययनः यहोशू 24: 1, 2, 13-15, 17, 24

- 1 फिर यहोशू ने इस्राएल के सब गोत्रों को शकेम में इकट्ठा किया, और इस्राएल के वृद्ध लोगों, और मुख्य पुरूषों, और न्यायियों, और सरदारों को बुलवाया; और वे परमेश्वर के साम्हने उपस्थित हुए।
- 2 तब यहोशू ने उन सब लोगों से कहा, इस्राएल का परमेश्वर यहोवा इस प्रकार कहता है, तुम्हारे पुरखा परात महानद के उस पार रहते हुए दूसरे देवताओं की उपासना करते थे।
- 13 फिर मैं ने तुम्हें ऐसा देश दिया जिस में तुम ने परिश्रम न किया था, और ऐसे नगर भी दिए हैं जिन्हें तुम ने न बसाया था, और तुम उन में बसे हो; और जिन दाख और जलपाई के बगीचों के फल तुम खाते हो उन्हें तुम ने नहीं लगाया था।
- 14 इसलिये अब यहोवा का भय मानकर उसकी सेवा खराई और सच्चाई से करो।
- 15 और यदि यहोवा की सेवा करनी तुम्हें बुरी लगे, तो आज चुन लो कि तुम किस की सेवा करोगे, चाहे उन देवताओं की जिनकी सेवा तुम्हारे पुरखा महानद के उस पार करते थे, और चाहे एमोरियों के देवताओं की सेवा करो जिनके देश में तुम रहते हो; परन्तु मैं तो अपने घराने समेत यहोवा की सेवा नित करूंगा।
- 17 क्योंकि हमारा परमेश्वर यहोवा वही है जो हम को और हमारे पुरखाओं को दासत्व के घर, अर्थात् मिस्र देश से निकाल ले आया, और हमारे देखते बड़े बड़े आश्चर्य कर्म किए, और जिस मार्ग पर और जितनी जातियों के मध्य में से हम चले आते थे उन में हमारी रक्षा की।
- 24 लोगों ने यहोशू से कहा, हम तो अपने परमेश्वर यहोवा ही की सेवा करेंगे, और उसी की बात मानेंगे।

पाठ उपदेश

### बाइबल

#### 1. भजन संहिता 26: 1-3

- 1 हेयहोवा, मेरा न्याय कर, क्योंकि मैं खराई से चलता रहा हूँ, और मेरा भरोसा यहोवा पर अटल बना है।
- 2 हे यहोवा, मुझ को जांच और परख; मेरे मन और हृदय को परख।
- 3 क्योंकि तेरी करूणा तो मेरी आंखों के साम्हने है, और मैं तेरे सत्य मार्ग पर चलता रहा हूँ॥

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिपचरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कृंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

## 2. 2 राजा 20: 1-6

- 1 उन दिनों में हिजकिय्याह ऐसा रोगी हुआ कि मरने पर था, और आमोस के पुत्र यशायाह भविष्यद्वक्ता ने उसके पास जा कर कहा, यहोवा यों कहता है, कि अपने घराने के विषय जो आज्ञा देनी हो वह दे; क्योंकि तू नहीं बचेगा, मर जाएगा।
- 2 तब उसने भीत की ओर मुंह फेर, यहोवा से प्रार्थना कर के कहा, हे यहोवा!
- 3 मैं बिन्ती करता हूँ, स्मरण कर, कि मैं सच्चाई और खरे मन से अपने को तेरे सम्मुख जान कर चलता आया हूँ; और जो तुझे अच्छा तगता है वही मैं करता आया हूँ। तब हिजकिय्याह बिलक बिलक कर रोया।
- 4 और ऐसा हुआ कि यशायाह नगर के बीच तक जाने भी न पाया था कि यहोवा का यह वचन उसके पास पहुंचा,
- 5 कि लौटकर मेरी प्रजा के प्रधान हिजकिय्याह से कह, कि तेरे मूलपुरुष दाऊद का परमेश्वर यहोवा यों कहता है, कि मैं ने तेरी प्रार्थना सुनी और तेरे आंसू देखे हैं; देख, मैं तुझे चंगा करता हूँ; परसों तू यहोवा के भवन में जा सकेगा।
- 6 और मैं तेरी आयु पन्द्रह वर्ष और बढ़ा दूंगा। और अशशूर के राजा के हाथ से तुझे और इस नगर को बचाऊंगा, और मैं अपने निमित्त और अपने दास दाऊद के निमित्त इस नगर की रक्षा करूंगा।

## 3. भजन संहिता 116: 1, 6-9

- 1 मैं प्रेम रखता हूँ, इसलिये कि यहोवा ने मेरे गिड़गिड़ाने को सुना है।
- 6 यहोवा भोलों की रक्षा करता है; जब मैं बलहीन हो गया था, उसने मेरा उद्धार किया।
- 7 हे मेरे प्राण तू अपने विश्राम स्थान में लौट आ; क्योंकि यहोवा ने तेरा उपकार किया है॥
- 8 तू ने तो मेरे प्राण को मृत्यु से, मेरी आंख को आंसू बहाने से, और मेरे पांव को ठोकर खाने से बचाया है।
- 9 मैं जीवित रहते हुए, अपने को यहोवा के साम्हने जान कर नित चलता रहूंगा।

## 4. भजन संहिता 117: 1, 2

- 1 हेजाति जाति के सब लोगोयहोवा की स्तुति करो! हे राज्य राज्य के सब लोगो, उसकी प्रशंसा करो!
- 2 क्योंकि उसकी करूणा हमारे ऊपर प्रबल हुई है; और यहोवा की सच्चाई सदा की है याह की स्तुति करो!

## 5. यूहन्ना 4: 46-53

- 46 तब वह फिर गलील के काना में आया, जहां उस ने पानी को दाख रस बनाया था: और राजा का एक कर्मचारी था जिस का पुत्र कफरनहूम में बीमार था।
- 47 वह यह सुनकर कि यीशु यहूदिया से गलील में आ गया है, उसके पास गया और उस से बिनती करने लगा कि चलकर मेरे पुत्र को चंगा कर दे: क्योंकि वह मरने पर था।
- 48 यीशु ने उस से कहा, जब तक तुम चिन्ह और अद्भुत काम न देखोगे तब तक कदापि विश्वास न करोगे।

- 49 राजा के कर्मचारी ने उस से कहा; हे प्रभु, मेरे बालक की मृत्यु होने से पहिले चल।  
50 यीशु ने उस से कहा, जा, तेरा पुत्र जीवित है: उस मनुष्य ने यीशु की कही हुई बात की प्रतीति की, और चला गया।  
51 वह मार्ग में जा रहा था, कि उसके दास उस से आ मिले और कहने लगे कि तेरा लड़का जीवित है।  
52 उस ने उन से पूछा कि किस घड़ी वह अच्छा होने लगा उन्होंने उस से कहा, कल सातवें घण्टे में उसका ज्वर उतर गया।  
53 तब पिता जान गया, कि यह उसी घड़ी हुआ जिस घड़ी यीशु ने उस से कहा, तेरा पुत्र जीवित है, और उस ने और उसके सारे घराने ने विश्वास किया।

## 6. यूहन्ना 8: 1, 2, 28-32

- 1 परन्तु यीशु जैतून के पहाड़ पर गया।  
2 और भोर को फिर मन्दिर में आया, और सब लोग उसके पास आए; और वह बैठकर उन्हें उपदेश देने लगा।  
28 तब यीशु ने कहा, कि जब तुम मनुष्य के पुत्र को ऊंचे पर चढ़ाओगे, तो जानोगे कि मैं वही हूँ, और अपने आप से कुछ नहीं करता, परन्तु जैसे पिता ने मुझे सिखाया, वैसे ही ये बातें कहता हूँ।  
29 और मेरा भेजनेवाला मेरे साथ है; उस ने मुझे अकेला नहीं छोड़ा; क्योंकि मैं सर्वदा वही काम करता हूँ, जिस से वह प्रसन्न होता है।  
30 वह ये बातें कह ही रहा था, कि बहुतेरों ने उस पर विश्वास किया॥  
31 तब यीशु ने उन यहूदियों से जिन्होंने उन की प्रतीति की थी, कहा, यदि तुम मेरे वचन में बने रहोगे, तो सचमुच मेरे चले ठहरोगे।  
32 और सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।

## 7. रोमियो 12: 1

- 1 इसलिये हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर बिनती करता हूँ, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ: यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है।

## 8. इफिसियों 4: 17 (न चलें), 22 (रखना)-27, 29, 31, 32

- 17 इसलिये मैं यह कहता हूँ, और प्रभु में जताए देता हूँ कि जैसे अन्यजातीय लोग अपने मन की अनर्थ की रीति पर चलते हैं, तुम अब से फिर ऐसे न चलो।  
22 कि तुम अगले चालचलन के पुराने मनुष्यत्व को जो भरमाने वाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता है, उतार डालो।  
23 और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ।  
24 और नये मनुष्यत्व को पहिन लो, जो परमेश्वर के अनुसार सत्य की धार्मिकता, और पवित्रता में सृजा गया है॥

- 25 इस कारण झूठ बोलना छोड़कर हर एक अपने पड़ोसी से सच बोले, क्योंकि हम आपस में एक दूसरे के अंग हैं।
- 26 क्रोध तो करो, पर पाप मत करो: सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे।
- 27 और न शैतान को अवसर दो।
- 29 कोई गन्दी बात तुम्हारे मुंह से न निकले, पर आवश्यकता के अनुसार वही जो उन्नति के लिये उत्तम हो, ताकि उस से सुनने वालों पर अनुग्रह हो।
- 30 और परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिस से तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है।
- 31 सब प्रकार की कड़वाहट और प्रकोप और क्रोध, और कलह, और निन्दा सब बैरभाव समेत तुम से दूर की जाए।
- 32 और एक दूसरे पर कृपाल, और करुणामय हो, और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो॥

## 9. इफिसियों 5: 1, 8

- 1 इसलिये प्रिय, बालकों की नाई परमेश्वर के सदृश बनो।
- 8 क्योंकि तुम तो पहले अन्धकार थे परन्तु अब प्रभु में ज्योति हो, सो ज्योति की सन्तान की नाई चलो।

## विज्ञान और स्वास्थ्य

### 1. 368: 2-5

विज्ञान से प्रेरित विश्वास इस तथ्य में निहित है कि सत्य वास्तविक है और त्रुटि असत्य है। सत्य से पहले त्रुटि कायरता है।

### 2. 453: 29-30

एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट की दवा मन है, ईश्वरीय सत्य है जो मनुष्य को स्वतंत्र बनाता है।

### 3. 224: 28 (सच)-13

सत्य स्वतंत्रता के तत्व लाता है। इसके बैनर पर आत्मा से प्रेरित आदर्श वाक्य है, "दासता समाप्त हो गई है।" ईश्वर की शक्ति बंदी को मुक्ति दिलाती है। कोई भी शक्ति ईश्वरीय प्रेम का सामना नहीं कर सकती। यह कथित शक्ति क्या है, जो ईश्वर का विरोध करती है? यह कहाँ से आती है? वह क्या है जो मनुष्य को पाप, बीमारी और मृत्यु की लोहे की बेड़ियों से बांधती है? जो कुछ भी मनुष्य को गुलाम बनाता है वह ईश्वरीय सरकार का विरोध करता है। सत्य मनुष्य को स्वतंत्र बनाता है।

आप जान सकते हैं कि पहला सत्य अपने अनुयायियों की पवित्रता और ईमानदारी से कब आगे बढ़ता है। इस प्रकार यह है कि समय की स्वतंत्रता के बैनर पर मार्च का आयोजन होता है। इस दुनिया की शक्तियाँ लड़ेंगी, और अपने प्रहरी को आज्ञा देंगी कि जब तक वह अपने सिस्टम की सदस्यता न ले, तब तक सच्चाई को पहरा न दें; लेकिन नुकिले चाकू की ओर ध्यान न देकर विज्ञान मार्च करता है। हमेशा कुछ खटपट होती है, लेकिन सच्चाई के मानक के लिए एक रैली है।

#### 4. 325: 20-11

उन्होंने कहा: "अपने शरीर को जीवित, पवित्र और परमेश्वर को स्वीकार्य बलिदान के रूप में चढ़ाओ, यही तुम्हारी उचित सेवा है।" लेकिन जो शरीर की मान्यताओं से पैदा हुआ है और उनकी सेवा करता है, वह इस दुनिया में हमारे प्रभु की दिव्य ऊंचाइयों तक कभी नहीं पहुंच सकता। वह समय आता है जब मनुष्य की आध्यात्मिक उत्पत्ति, दिव्य विज्ञान जिसने यीशु को मानव उपस्थिति में प्रवेश कराया, को समझा और प्रदर्शित किया जाएगा।

जब किसी भी युग में पहली बार बोला गया, सत्य, प्रकाश की तरह, "अंधेरे में चमकता है, और अंधेरा उसे समझ नहीं पाता।" जीवन, पदार्थ और मन की झूठी भावना दिव्य संभावनाओं को छुपाती है, और वैज्ञानिक प्रदर्शन को छुपाती है।

सत्य और प्रेम उस समझ को प्रकाशित करते हैं, जिसके अनुसार "तेरे प्रकाश के द्वारा हम प्रकाश देंगे" और यह प्रकाश उन सभी के द्वारा आध्यात्मिक रूप से प्रतिबिम्बित होता है जो प्रकाश में चलते हैं और झूठी भौतिक भावनाओं से दूर हो जाते हैं।

#### 5. 8: 12-15

प्रश्न, सत्य क्या है, का उत्तर प्रदर्शन द्वारा दिया जाता है, - रोग और पाप दोनों को ठीक करके; और यह प्रदर्शन दर्शाता है कि ईसाई उपचार सबसे अधिक स्वास्थ्य प्रदान करता है और सर्वोत्तम मनुष्य बनाता है।

#### 6. 326: 16-22

जीवित रहने का उद्देश्य और मकसद अब हासिल किया जा सकता है। यह बिंदु जीत गया, जैसा कि आपको शुरू करना चाहिए, आपने किया है। आप क्रिश्चियन साइंस के अंक-तालिका में शुरू कर चुके हैं, और गलत इरादे के अलावा कुछ भी आपकी उन्नति में बाधा नहीं बन सकता है। सच्चे इरादों के साथ काम करने और प्रार्थना करने से, आपके पिता आपके लिए रास्ता खोलेंगे। "किस ने तुम्हें रोक दिया, कि सत्य को न मानो?"

#### 7. 327: 17-21

भौतिक इंद्रियों के लिए, क्रिश्चियन साइंस की सख्त मांगें दुरी लगती हैं; लेकिन नश्वर यह जानने के लिए जल्दबाजी कर रहे हैं कि जीवन ईश्वर है, अच्छा है, और उस बुराई का वास्तविकता में कोई स्थान नहीं है और न ही मानव या ईश्वरीय अर्थव्यवस्था में शक्ति है।

#### 8. 240: 27-32

इन्द्रिय भ्रान्तियों को दूर करने के प्रयास में व्यक्ति को पूर्णतया और निष्पक्ष रूप से सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, जब तक कि सभी त्रुटियाँ अंततः सत्य के अधीन न आ जाएँ। पाप की मजदूरी का भुगतान करने की दैवीय पद्धति में किसी के झंझटों को खोलना, और अनुभव से सीखना शामिल है कि कैसे इंद्रिय और आत्मा के बीच विभाजन करना है।

### 9. 182: 30-1 (से ;)

यह स्वीकार करना कि बीमारी एक ऐसी स्थिति है जिस पर भगवान का कोई नियंत्रण नहीं है, यह मानना है कि कुछ अवसरों पर सर्वशक्तिमान शक्ति शक्तिहीन है। मसीह का नियम, या सत्य, आत्मा के लिए सभी चीजों को संभव बनाता है;

### 10. 538: 3-10

सत्य को सभी सेल्फ से गलती को दूर करना चाहिए, और वह करता भी है। सत्य एक दोधारी तलवार है, जो पहरा देती है और रास्ता दिखाती है। सत्य सही मेहमानों को पहचानने के लिए समझ के दरवाजे पर ज्ञान को रखता है। दया और न्याय से चमकती हुई, सत्य की तलवार दूर तक चमकती है और सत्य और गलती के बीच, भौतिक और आध्यात्मिक, — झूठे और वास्तविक के बीच की अनंत दूरी को दिखाती है।

### 11. 183: 21-32

डिवाइन माइंड सही ढंग से मनुष्य की संपूर्ण आज्ञाकारिता, स्नेह और शक्ति की माँग करता है। किसी भी कम निष्ठा के लिए कोई आरक्षण नहीं किया जाता है। सत्य का पालन मनुष्य को शक्ति और सामर्थ्य देता है। त्रुटि के अधीन होने से शक्ति का नुकसान होता है।

सत्य वास्तविक आध्यात्मिक कानून के साथ सभी बुराइयों और भौतिकवादी तरीकों को निकालता है, — वह कानून जो अंधे को दृष्टि देता है, बहरे को सुनता है, गूंगे को आवाज देता है, पैर को लंगड़ा करता है। यदि क्रिश्चियन साइंस मानवीय विश्वास का अपमान करता है, तो यह आध्यात्मिक समझ का सम्मान करता है; और केवल एक मन ही सम्मान का हकदार है।

### 12. 495: 14-16

जब बीमारी या पाप का भ्रम आपको झकझोरता है, ईश्वर और उसके विचार के प्रति दृढ़ रहना अपने विचार में पालन करने के लिए उसकी समानता के अलावा कुछ भी अनुमति न दें।

### 13. 418: 5-11, 20-25, 27(ढालना)-32

जीवन, पदार्थ, या बुद्धि के मामले में होने वाली त्रुटि के विपरीत होने के सत्य पर टिके रहें। सत्य के प्रति ईमानदार विश्वास और दिव्य विज्ञान के अपरिवर्तनीय, अचूक और निश्चित प्रभाव की स्पष्ट धारणा के साथ निवेदन करें। फिर, यदि आपकी निष्ठा आपकी विनती की सच्चाई से आधी है, तो आप बीमारों को ठीक कर देंगे।

सत्य सकारात्मक है, और सद्भाव प्रदान करता है। सभी रूपक तर्क सत्य के इस सरल नियम से प्रेरित हैं, जो सभी वास्तविकता को नियंत्रित करता है। आपके द्वारा नियोजित सत्य तर्कों और विशेष रूप से सत्य और प्रेम की भावना से जो आप मनोरंजन करते हैं, आप बीमारों को चंगा करेंगे।

त्रुटि को नष्ट करने के अपने प्रयासों में नैतिक और साथ ही भौतिक विश्वास को भी शामिल करें। सभी प्रकार की बुराईयों को दूर करो। "सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो।" हर प्रकार की त्रुटि के लिए सत्य बोलें। ट्यूमर, अल्सर, ट्यूबरकल्स, सूजन, दर्द, विकृत जोड़ों, स्वप्न-छाया को जागृत कर रहे हैं, नश्वर विचारों की काली छवियां, जो सत्य के प्रकाश से पहले भाग जाती हैं।

#### 14. 21: 1-4, 9-14

यदि सत्य आपके दैनिक चलने और वार्तालाप में त्रुटि पर काबू पा रहा है, तो आप अंततः कह सकते हैं, "मैं अच्छी कुशती लड़ चुका हूँ .... मैं ने विश्वास की रखवाली की है।"

यदि शिष्य आध्यात्मिक रूप से आगे बढ़ रहा है, तो वह अंदर प्रवेश करने का प्रयास कर रहा है। वह भौतिक दृष्टि से लगातार दूर होता जाता है, और आत्मा की अपूर्ण चीजों की ओर देखता है यदि वह ईमानदार है, तो वह शुरू से ही सबसे अधिक लाभ में रहेगा, और जब तक वह खुशी के साथ अपना कोर्स पूरा नहीं कर लेता, तब तक वह हर दिन सही दिशा में थोड़ा-थोड़ा हासिल करेगा।

#### 15. 380: 4 केवल

सत्य हमेशा विजयी होता है।

#### दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

#### दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

### कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6